

असाधारण EXTRAORDINARY

PART II -- Section 3 -- Sub-section (6)

प्राधितः से प्रकारितः PUBLISHED BY AUTHORITY

พี. 334] No. 334] नई दिल्ली, सोमवार, अगस्त 3, 1992/श्रावण 12, 1914 NEW DELHI, MONDAY, AUGUST 3, 1992/SRAVANA 12. 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मत्नालय

राजस्व विभाग

ग्रधिसूचनाए

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1992

स 20/92 केन्द्रीय उत्पाद भुल्क (एन टी)

सा. का. ति 709(अ).-- केन्द्रीय मरकार, केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क निम्म, 1944 के नियम 57ट के उम्मियम (१) द्वार, पदतः शक्तियो का प्रभोग करने हुए, भारत सरकार के वित्त मतालय (राज्य विभाग) की अधिमुचना स. 231/87 केन्द्राय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 अक्तूबर 1987 में निम्निनिखित और सकोयन करती है, अर्थात -

उन्त प्रविसूचना मे, प्रथम पैरा के पश्चान् निम्मलिखित परन्तुकः श्रन्त स्थापित किया जाएरा, श्रश्नीत -

''परन्तु उका प्रस्तिम उत्पादो के विस्मिणि मे प्रयुवा एथिल एलकोहल पर कोई उषार श्रमुज्ञात नही विया जाएना यदि ऐसे एथिल एल्कोहल के विनिर्माण में प्रयुक्त निवेशों पर सदत्त शुल्क का उ! केन्द्रीय उरपाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 56क या 57क ॰ स्रद्योन लिया गया है।"

> [फा. सं 354/31/92-टी द्यार \mathbf{q} .] राजंब शर्मी, अबर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 3rd August, 1992

No. 20/92-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 709(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 57K of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India

in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 231/87-Central Facises, dated the 1st October, 1987, namely:—

In the said notification, after the first paragraph, the foltowing proviso shall be inserted, namely:—

"Provided that no credit of money on Ethyl Alcohol used in the manufacture of the said final products shall be allowed if credit of duty paid on inputs used in the manufacture of such Ethyl Alcohol has been taken under rule 56A or 57A of Central Excise Rules, 1944.".

[F. No. 354/31/92-IRU] RAJIV SHARMA, Under Secy.

श्रक्षिसूचन/

नई दिस्ली, ३ धगस्त, 1992

न \$1/92 -- केन्द्रीय उत्पाद गुल्क

मा का, नि, 210(ब्र):-- केन्द्रीय सरकार, वेन्द्रीय हुँ उत्पाद-गून्क और नमक प्रविनियम, 1944 (1944 का 1) की बारा 5क की उपवारा (1) ब्रारा प्रवक्त भक्तियों का प्रयोग करने हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लीक हित में ऐसा करना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद-गत्क टैरिक प्रविनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के शीर्ष म 15,41 के भन्नित प्राने बाने और शक प्रतिश्व निर्मातन्त्रीय उपक्रम में अध्या मूक, व्यापार गीन में विशिमित अथवा उत्पादिक स्था यारत में विकय किए जाने के लिए अनुजात महाको या अस्टेशियाई मोजस्क ध्यान धन्य जलीय अयुष्टनणी अपिषण्ट को केन्द्रं,य उत्पाद-गुरून और नमक प्रशिनियम, 1944 की धारा 3 के प्रदीन उन पर उद्देश्हणीय सम्प्रण उत्पाद-शास्त्र से एट देती है।

> [फा स. 316/66/92-टो भार य] राजान समी, अवर सचिव

New Delhi, the 3rd August, 1992 No. 81/92-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 710(F).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do. hereby exempts waste of fish or crustaceans, molluses or other aquatic inverteberates falling under heading No. 05.01 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986; and produced or manufactured in a 100 per cent export oriented undertaking or a free trade zone and allowed to be sold in India from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Central Excises and Salt Act, 1944.

[F. No. 346/66/92-TRU] RAJIV SHARMA. Under Secv.